1. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए—

विज्ञान-शिक्षण के पक्षधरों ने कल्पना की थी कि शिक्षा में इसकी शुरूआत पारंपरिकता, कृत्रिमता और पिछड़ेपन को दूर करेगी। यह सोच पुराने समय से चली आ रही—'तथ्य प्रचुर पाठ्यचर्या' जिसके अंतर्गत-आलोचना, चुनौती, सृजनात्मकता व विवेचनात्मकता का अभाव था, आदि के कारण पैदा हो रही थी। मानवतावादियों ने सोचा था कि वैज्ञानिक-पद्धति मध्यकालीन मतवाद के अंधविश्वासों को जड़ से मिटा देगी, किंतु हमारे शिक्षकों ने रासायनिक प्रतिक्रियाओं की समझ को भी प्रेमचंद की कहानियों की तरह केवल पढ़ा व रटा कर उन्हें नीरस बना दिया।

शिक्षा में विज्ञान-शिक्षण सम्मिलित करने के लिए यह तर्क दिया गया था कि इससे बच्चे विज्ञान की खोजों से परिचित हो सकेंगे तथा अपने वास्तविक जीवन में घट रही घटनाओं के बारे में कुछ सीखेंगे। वे वैज्ञानिक विधि का अध्ययन कर तार्किक रूप से कैसे सोचना है, कैसे कौशल में पारंगत होंगे? इन उद्देश्यों में से केवल पहले ही में एक सीमित सफलता मिली है। दूसरे व तीसरे में व्यावहारिक रूप से बच्चे कुछ भी नहीं प्राप्त कर पा रहे हैं। अधिकतर बच्चों से भौतिकी और रसायन विज्ञान के तथ्यों के बारे में कुछ जानने की उम्मीद की जा सकती है, लेकिन वे शायद ही जानते हों कि उनका कंप्यूटर अथवा कार का इंजन कैसे कार्य करते हैं अथवा क्यों उनकी माता जी सब्जी पकाने के लिए उसे छोटे टुकड़ों में काटती हैं, जबकि वैज्ञानिक पद्धति में रुचि रखने वाले किसी भी उज्ज्वल लड़के को ये बातें सहज रूप से ही ज्ञात हो जाती हैं।

वैज्ञानिक पद्धति की शिक्षा अधिकांश विद्यालयों में भली प्रकार से नहीं दी जा रही है। दरअसल, शिक्षकों ने अपनी सुविधा और परीक्षा केंद्रित सोच के कारण, यह सुनिश्चित कर लिया है कि छात्र वैज्ञानिक पद्धति न सीख कर ठीक इसका उल्टा सीखें अर्थात् वे जो बताएँ, उस पर आँख मूंद कर विश्वास करें और पूछे जाने पर उसे जस का तस परीक्षा में लिख दें। वैज्ञानिक पद्धति को आत्मसात् करने के लिए लंबे व्यक्तिगत अनुभव तथा परिश्रम व धैर्य पर आधारित वैज्ञानिक मूल्यों की आवश्यकता होती है और जब तक इसे संभव बनाने के लिए शैक्षिक या सामाजिक प्रणालियों को बदल नहीं दिया जाता है, वैज्ञानिक तकनीकों में सक्षम केवल कुछ बच्चे ही सामने आएँगे तथा इन तकनीकों को आगे विकसित करने वालों की संख्या इसका भी अंश मात्र ही होगी।

(1) **वैज्ञानिक पद्धति की शिक्षा को लागू करने के प्रयासों को शिक्षकों ने विफल क्या है— कथन पढ़कर सही विकल्प का चयन कीजिए—**

कथन

(i) अपनी सुविधा के अनुरूप पढ़ाकर

(ii) परीक्षा केन्द्रित सोच के कारण

(iii) वैज्ञानिक पद्धति के विरोध के कारण

(iv) अन्धविश्वास के कारण

विकल्प

(क) कथन (i) सही है।

(ख) कथन (i) व (ii) सही है।

(ग) कथन (iii) व (iv) सही हैं।

(घ) केवल कथन (iii) सही हैं।

(2) **स्कूल शिक्षा में विज्ञान शिक्षण के प्रति लेखक का क्या रवैया है?**

(क) तटस्थ

(ख) सकारात्मक

(ग) व्यंग्यात्मक

(घ) नकारात्मक

(3) **उपर्युक्त पाठ्यांश निम्नलिखित में से किस दशक में लिखा गया होगा ?**

(क) 1950-60

(ख) 1970-80

(ग) 1980-90

(घ) 2000-10

(4) **लेखक वैज्ञानिक पद्धति को लागू करने में विफलता के लिए निम्नलिखित किस कारक को सबसे अधिक ज़िम्मेदार ठहराता है?**

(क) शिक्षक

(ख) परीक्षा के तरीके

(ग) प्रत्यक्ष अनुभव की कमी

(घ) सामाजिक और शिक्षा प्रणाली

(5) **कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए—**

कथन (A)—विज्ञान शिक्षण के प्रभाव को सफलतापूर्वक सुनिश्चित करने की ज़रूरत है।

कथन (R)—छात्र अपने ज्ञान को तार्किक रूप से लागू कर सकते हैं।

(क) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

(घ) कथन (A) सही है, किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।